**Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,**
***Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2016 = 4.44, www.srjis.com***
*PEER REVIEWED JOURNAL, APR-MAY 2018, VOL- 6/27*

# शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों में बी.एड. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृति का अध्ययन

**मधु उपाध्याय, Ph. D.**

*प्राचार्य, महात्मा गॉधी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बांसवाड़ा (राज.)*

*drmadhu.upadhyay@gmail.com*

*Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com*

पर्यावरण प्रदूषण आज की विश्व व्यापी समस्या है । आज पर्यावरण संरक्षण उसका सुधार एवं शुद्धिकरण का मुद्दा विश्व के जीवन मरण का प्रश्न बन गया है। पर्यावरण शिक्षा का क्षेत्र केवल प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरणीय समस्याओं तक ही सीमित नहीं रहता बल्कि प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने में भी सहायक है। पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिये विशेषकर शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का निर्माण आवश्यक है । वह जिन पर्यावरण इकाइयों से घिरे रहकर अपना जीवन व्यतीत करता है उसे उसका ज्ञान होना भी आवश्यक है, साथ ही उसे पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझना भी आवश्यक है ।

आज जिस गति से पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है, पर्यावरण जीवन स्त्रोतों का क्षरण हो रहा है उससे बचने के लिये मनुष्य को व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों प्रयास करने होगें पर्यावरण संरक्षण की महत्ता के प्रति लोगों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा । इसके लिये जरूरी हो जाता है कि, शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों के पाठ्यक्रम में पर्यावरण से संबंधित तत्वों पर अधिक बल दिया जाये।

चूँकि यही प्रशिक्षणार्थी भावी अध्यापक है यदि ये पर्यावरण के प्रति संवेदनशील व जागरूक होगें तो इसका सीधा प्रभाव इनसे शिक्षा लेने वाले विद्यार्थियों पर पड़ेगा ।

विद्यार्थियों पर विद्यालयी पाठ्यक्रम के अलावा अध्यापक व्यवहारों का भी सीधा पडता है । मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्यापक विचार, आचरण विद्यार्थी को सदैव प्रभावित करते हैं । पर्यावरण के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक अभिवृत्तियों के प्रति किसी का ध्यान ही नहीं यानि व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने के पश्चात् पर्यावरण के प्रति संवेदनीशील होकर उसके प्रति प्रयास करता है या नहीं, इसकी कोई व्यवस्था नहीं। अतः जब शिक्षकों में पर्यावरणीय संरक्षण अभिवृत्ति होगी तथा संवेदनशील होगा तो निश्चित रूप से वह अपने व्यवहार व क्रिया द्वारा विद्यार्थियों में इस अभिवृत्ति का निर्माण कर सकेगा ।

**अध्ययन का उद्देश्य** :–

– बांसवाडा शहर के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

– विज्ञान एवं कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

*Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*

**जनसख्यां** :–

शोध में दक्षिणी राजस्थान बांसवाडा जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को चुना गया ।

**न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि** :–

न्यादर्श चयन हेतु बहुस्तरीय न्यादर्श विधि का प्रयोग किया गया । इस प्रक्रिया के अन्तर्गत बांसवाडा शहर के चार शिक्षक – प्रशिक्षण महाविद्यालयों से यादृच्छिक विधि द्वारा 150 प्रशिक्षणार्थियों को चुना गया ।

चयनित प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति को जानने के लिये सर्वेक्षण विधी का प्रयोग किया गया। लिंगानुसार 75 पुरूष 75 स्त्री प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया ।

**उपकरण** :–

शोधकर्ती द्वारा निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया ।

1 पर्यावरणीय शिक्षा तत्व विश्लेषण सूची (बी.एड. पाठ्यक्रमानुसार)

2 पर्यावरणीय शिक्षा अभिवृत्ति मापनी (बी.एड. पाठ्यक्रमानुसार)

उपरोक्त उपकरण शोधकर्ती द्वारा तैया किये गये ।

इस प्रक्रिया के अन्तर्गत बांसवाडा शहर के चार शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों से यादृच्छिक विधिद्वारा 150 प्रशिक्षणार्थियों को चुना गया । चयनित प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति को जानने के लिये सर्वेक्षण विधी का प्रयोग किया गया । लिंगानुसार 75 पुरूष 75 स्त्री प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया ।

**उपकरण :–**

शोधकर्ती द्वारा निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया ।

1 पर्यावरणीय शिक्षा तत्व विश्लेषण सूची (बी.एड. पाठ्यक्रमानुसार)

2 पर्यावरणीय शिक्षा अभिवृत्ति मापनी (बी.एड. पाठ्यक्रमानुसार)

उपरोक्त उपकरण शोधकर्ती द्वारा तैयार किये गये ।

पर्यावरणीय तत्व विश्लेषक आयाम सूची क्रमशः निर्धारित की गई –

1 मनुष्य एवं जीव मण्डल आयाम

2 पर्यावरण शिक्षा के स्वरूप एवं क्षेत्र आयाम

3 पर्यावरण शिक्षा की योजना एवं क्रियान्वयन आयाम

4 प्राकृतिक संसाधन संरक्षण आयाम

5 पर्यावरण शिक्षाजागरूकता एक्शन प्रोग्राम आयाम

6 गुणवत्ता जीवन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग आयाम ।

7 पर्यावरण शिक्षा जागरूकता मापन ।

*Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*

**विश्वसनीयता** –

पर्यावरण अभिवृत्ति मापनी की विश्वसनीयता को 30 प्रशिक्षणार्थियों पर प्रशासित किया गया तथा 20 दिन के अन्तराल के पश्चात् पुनः उसी न्यादर्श पर प्रशासिक किया गया । दोनों प्रशासनों पर प्राप्त अंको के आधार पर सह सम्बन्ध ज्ञात किया गया । यह सह संबंध अर्थात परीक्षण पुनः परीक्षण विश्वसीनयता गुणांक प्राप्त हुआ ।

सम्पूर्ण पर्यावरण अभिवृत्ति मापनी की विश्वसनीयता के लिये स्पीयरमेन ब्राउन प्रोफेसी सूत्र का प्रयोग किया गया ।

**वैधता** :–

प्रस्तुत मापनी की वैधता ज्ञात करने के लिये रूप वैधता व निर्वचन वैधता निर्धारित की गई ।

पर्यावरण अभिवृत्ति मापनी फलांकन प्रक्रिया 4 बिन्दु प्रणाली पर किया गया जो कि सकारात्मक एवं नकारात्मक पदों के लिये निर्धारित है ।

उपरोक्त पूर्व परीक्षण (टेस्ट) द्वारा शोधकर्ती को पर्याप्त शुद्धता से प्रश्नावली निर्माण में सहायता मिली ।

**दत्त सकंलन** :–

शोधकर्ती द्वारा उक्त शोध हेतु दो कारकों की भूमिका का अध्ययन किया गया ।

प्रथम कारक – बी.एड. महाविद्यालयी पर्यावरणीय शिक्षा आयाम सम्बन्धी अध्ययन ।

द्वितीय कारक – प्रशिक्षणार्थियों की भूमिका यह दत्त सकंलन दो चरणों में किया गया।

प्रथम चरण में पाठ्यक्रम का अध्ययन / विश्लेषण

द्वितीय चरण में प्रशिक्षणार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन ।

**निष्कर्ष , सुझाव** –

विज्ञान एवं कलावर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करने पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये :–

**तालिका – 1 विज्ञान एवं कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के मनुष्य एवं जीव मण्डल आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 62.46 | 6.79 | |
| कला | 50 | 61.82 | 4.12 | 0.56 |

तालिका–2, के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि विज्ञान तथा कल वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के मध्य पर्यावरण शिक्षा के स्वरूप तथा क्षेत्र आयाम पर कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया हैं ।

*Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*

**तालिका – 2 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के पर्यावरण शिक्षा के स्वरूप एवं क्षेत्र आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 62.46 | 6.79 | |
| कला | 50 | 61.82 | 4.12 | 0.56 N.S. |

तालिका–2, के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षाणार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के मध्य पर्यावरण शिक्षा के स्वरूप तथा क्षेत्र आयाम पर कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया हैं ।

**तालिका – 3 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के पर्यावरण शिक्षा की योजना एवं क्रियान्वयन आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 7.22 | 1.36 | |
| कला | 50 | 6.62 | 1.42 | 2.15 N.S. |

तालिका–3, में प्रदत्त परिणाम यह बताते है कि पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण आयाम पर विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के जागरूकता स्तर के मध्य सार्थक अन्तर है । विज्ञान वर्ग के प्रशिक्षणार्थी आरम्भ से प्रकृति के सन्तुलन का तर्क पूर्ण करते है इसका यह कारण हो सकता हैं ।

**तालिका – 4 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के योजना एवं क्रियान्वयन आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 6.92 | 1.36 | |
| कला | 50 | 6.12 | 1.27 | 3.02 N.S. |

तालिका–4, से इससे हम इस निष्कर्ष पर पहुॅचते है कि शैक्षिक वर्ग का प्रभाव अभिवृत्ति स्तर पर पडता है क्योकि विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थी योजना एवं क्रियान्वयन आयाम पर एक दूसरे से अपने अभिवृत्ति स्तर पर सार्थक अन्तर रखते है। पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के योजना एवं क्रियान्वयन आयाम पर विज्ञान वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थीयों की तुलना में अधिक मध्यमान अंक प्राप्त किये ।

**तालिका – 5 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के पर्यावरण शिक्षा का एक्शन प्रोग्राम आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 6.48 | 1.86 | |
| कला | 50 | 6.14 | 1.20 | 1.08 N.S. |

*Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*

तालिका–5 पर दृष्टिपात करने पर यह स्पष्ट है कि पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के एक्शन प्रोग्राम आयाम पर विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ।

**तालिका – 6 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के गुणवत्ता जीवन के लिए अन्तराष्ट्रीय सहयोग आयाम पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 9.12 | 1.69 | |
| कला | 50 | 8.94 | 1.02 | 0.64 N.S. |

तालिका–6, के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि विज्ञान वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थी कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में पर्यावरण शिक्षाअभिवृत्ति मापनी के गुणवत्ता जीवन के लिए अन्तराष्ट्रीय सहयोग आयाम पर अधिक अभिवृत्ति स्तर रखते हैं।

**तालिका – 7 विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के पर्यावरण शिक्षा जागरूकता मापनी पर मध्यमान, मानक विचलन तथा टी मान**

| Gender | N | Mean | SD | t-value (df=98) |
|---|---|---|---|---|
| विज्ञान | 50 | 100.08 | 10.22 | |
| कला | 50 | 98.90 | 5.57 | 0.71 N.S. |

तालिका–7, के अध्ययन से यह परिणाम निकलता है कि पर्यावरण शिक्षा अभिवृत्ति मापनी पर विज्ञान तथा कला वर्ग शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया हैं ।

**विज्ञान तथा कला वर्ग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के पर्यावरणीय शिक्षा अभिवृत्ति मापनी के सात आयामों से संबंति निष्कर्ष निम्नवत् हैं :–**

– तालिका आठ, दस, ग्यारह, तेरह संबंधी आयामों पर सार्थक अन्तर पाया गया, अतः इन आयामों पर परिकल्पना अस्वीकृति होती है । इसके निम्न कारण हो सकते हैं।

– विज्ञान वर्ग के प्रशिक्षणार्थी आरम्भ से जीवनमण्डल संबंधी ज्ञान ग्रहण करते हैं ।

– शैक्षिक वर्ग का प्रभाव जागरूकता व अभिवृत्ति पर पडता हैं ।

– विज्ञान वर्ग की सोच प्रारम्भ से ही वैज्ञानिक व तर्क पूर्ण निर्णयों पर विकसित होती हैं ।

– तालिका नो, बारह व चौदह आयामों पर विज्ञान व कला वर्ग के प्रशिक्षणार्थियों की अभवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना पूर्णतः स्वीकृत होती हैं ।

*Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies*